LOOK N LEARN

Vol No. 14 • Issue No. 01 • Mumbai • January 2023 • Price : Rs 5/- (Multilingual Monthly)



ARE YOU READY CHILDREN?





Didi : Children, do you all enjoy festival offers or gifts that come for free?

Arham: Yes didi, we all do!

Didi : But children have you noticed... all that comes for

free is not worth!

Soham: What does that mean didi?

Didi : Many times we may get damaged, old product or

products that have passed expiry dates in offers.

Soham: Is it didi?

Didi : Yes, it may be and also not all offers that we get or we buy are suitable for our

well being!



मिलनेवाले उपहारों का आनंद लेते हैं?

अर्हम : हाँ दीदी, हम सब लेते हैं!

दीदी : लेकित बच्चों, क्या आपको पता है की मुफ्त में

मिलजेवाली हर वस्तु का महत्व नहीं होता है!

सोहम : इसका क्या मतलब है दीदी?

दीदी : कई बार हमें पुराता, बिघड़ा हुआ या दुटा हुआ सामात

जो ऑफर में एक्सपायरी डेट पार कर चूका हैं वैसा मिल

सकता है!

सोहम : दीदी सच में?

दीदी : हाँ, यह संभव है और हमें मिलतेवाले या स्वरीदतेवाले

सभी प्रस्ताव हमारे लिए हितकारी हो ऐसा जरूरी नहीं।





LÔOK N LEARN

Arham: Offers and well being? what type of offers didi please

can you explain us?

Didi : There are few of your acts where you buy certain

emotions and willingly or unwillingly you get a reward free! A reward can be negative or positive depending on your act or the way you respond and also the

emotion involved.

Eg. What if your friend cheated upon you, what will

you do?

अर्हम : ऑफर और हितकारी? दीदी किस प्रकार के ऑफर क्या आप हमें समझा सकती हैं ?

दीदी : आपके कुछ कार्च ऐसे होते हैं जहाँ आप कुछ भावनाओं को खरीदते हैं और स्वेच्छा से या

अितच्छा से आपको इताम मुफ्त में मिलता है!

आपके कार्च-प्रतिक्रिया और उतमें शामिल आपकी भावताओं के आधार

पर उसका इजाम - जकारात्मक या सकारात्मक हो सकता है।

उदा. अगर आपके दोस्त ने आपको धोरवा दिया तो आप क्या करेंगे?

Arham: Didi I will loose my temper and get angry.

Didi : Arham, this is the offer that I am talking about...

What happens after you get angry?

Soham: Didi we often get headaches and acidity...

Didi : Correct! so tell me children was the offer of buying anger good for your well

being? Do you like such offers? Where you buy anger and get headaches

free! Where you buy any negative emotion and get bad health free?

अर्हम : दीदी मैं गुस्सा हो जाऊँगा।

दीदी : अर्हम, में ईसी ऑफर की बात कर रही हूँ।

आपको गुस्सा आते के बाद क्या होता है?

सोहम : दीदी हमें अक्सर सिर दर्द और एसिडिटी हो जाती है।

दीदी : ठीक है, तो बताओं बच्चों क्या गुस्से को खबरीदने का

प्रस्ताव तुम्हारे लिए हितकारी था? क्या आपको ऐसे

ऑफर पसंद हैं? जहाँ आप क्रोध स्वरीदते हैं और सिर दर्द

होता हैं! आप कोई नकारात्मक भाव खरीदते हैं और

खराब स्वास्थ्य पाते हैं?





Arham: No didi we don't like such offers. Instead we only like offers that are beneficial to us in all ways. Then didi how shall we handle such

negative situations?

Didi : There are many ways...

By responding and not reacting, by forgiving by staying calm, by communicating with your

friend about the situation or by letting go...

Soham: Yes didi we can at least try them. Didi tell us more about such offers...

Didi : Soham, many times knowingly or unknowingly we buy such offers and get

problems along with them free.

अर्हम : तहीं दीदी हमें ऐसे ऑफर पसंद तहीं हैं। हम केवल ऐसे ऑफर्स को पसंद करते हैं जो हमारे

लिए हर तरह से फायदेमंद हों। तो दीदी ऐसी तकारात्मक परिस्थिति को कैसे संभालेंगे?

दीदी : बहुत से रास्ते हैं... प्रतिक्रिया न देकर, क्षमा करके, शांत रहकर, अपने दोस्त से स्थिति के

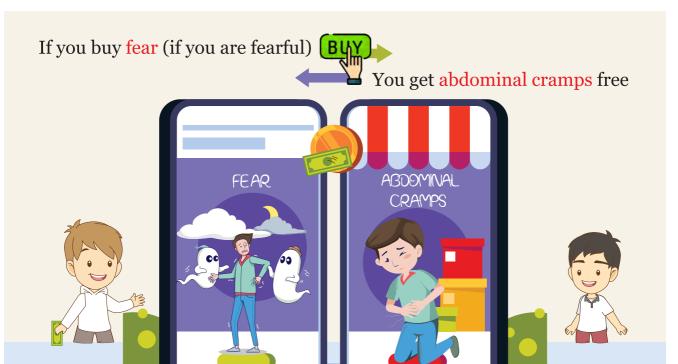
बारे में बात करके, माफ करते से...

सोहम : हाँ दीदी, हम कोशिश अवश्य कर सकते हैं। दीदी हमें ऐसे ऑफर्स के बारे में और बताएँ...

दीदी : सोहम, कई बार जाते-अतजाते में हम ऐसे ऑफर्स खरीद लेते हैं और साथ में प्रोब्लम्स भी

हो जाती है।





I will be as brave as my Parmatma Mahavir



I will appreciate others for their good qualities





You get digestive disorders & low immune system free





I am a peaceful soul



You get ulcers free





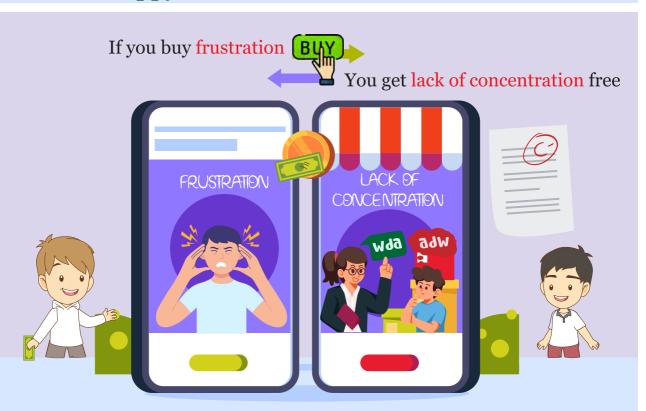
I comfortably forgive and forget all







I am happy and contented with all that I have

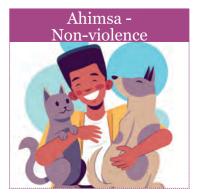


The past is over and the future is yet to come so just live in present



I will follow 5 mahavrat

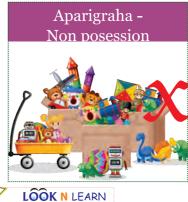
Right Knowledge, Right Faith, and Right Conduct are the three most essentials for attaining Moksh. In order to acquire these, one must observe these 5 great vows:





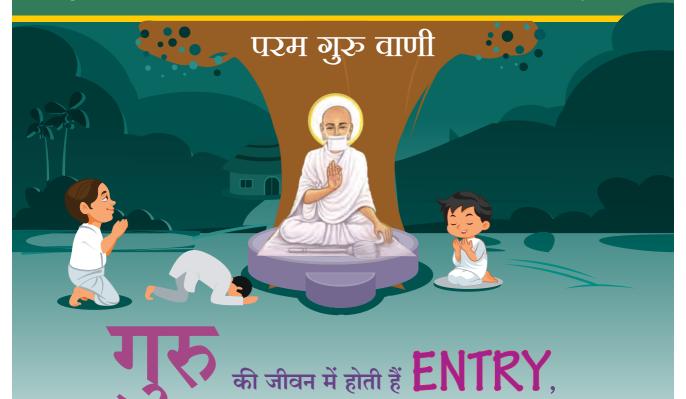






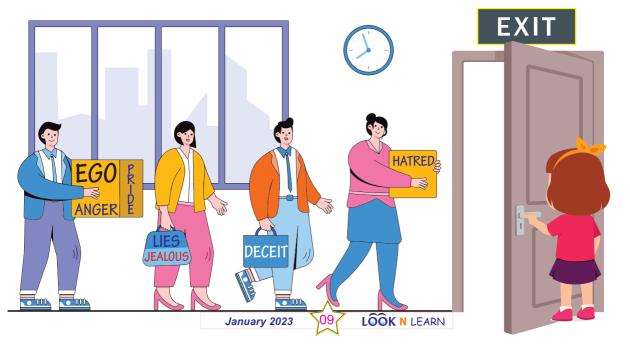
January 2023

Inspiration: Rashtrasant Param Gurudev Shree Namramuni Maharaj Saheb



तब... अवगुण EXIT होना शुरु हो जाते है।

-Gurubhakt Mehta Parivar









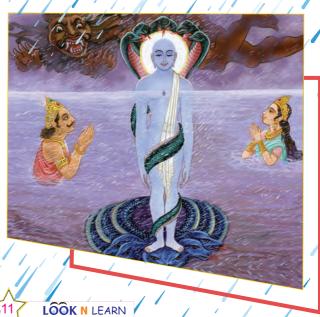


एक बार मेघमाली असुरदेव, ध्यानस्थ पार्श्वप्रभु को देखकर उनका पूर्व भव का वैर जाग गया। उन्होंने सिंह, हाथी, चीत्ता, सर्प आदि रुप बनाकर अनेक उपर्सगो से परमात्मा श्री पार्श्वनाथ भगवान का ध्यान भंग करने का प्रयत्न किया। अंत में उन्होंने मुसलधार वर्षा प्रारंभ की और देखते ही देखते परमात्मा की गर्दन तक पानी चढ़ गया कींतु जब मेघमाली परमात्मा का ध्यान भंग करने में असफल हुए तब उन्होनें परमात्मा के चरणों में क्षमा माँगी।

करुणा के सागर परमात्मा ने मेघमाली को क्षमा किया।

On seeing compassionate Shree Parshvanath Bhagwan, Meghmali remembered the enmity of their past life. He transformed himself into a lion, elephant, cheetah, snake etc and tried to scare Parmatma. But he failed. Finally he started pouring torrential rains and the water reached till Parmatma's neck. At last when he failed in disturbing Parmatma from His Dhyan, Meghmali surrendered at the lotus feet of Parmatma and asked for forgiveness.

The Benevolent Paramatma forgave Meghmali.







Story time

Sangam Goval

एक छोटा सा गाँव था। गाँव में एक गरीब बालक रहेता था। त्यौंहार के दिन उसे खीर खाने का मन हुआ। उसने अपनी माँ के पास खीर खानेकी ज़ीद की। माँ के पास पैसे नहीं थे। इसी लिए वह पड़ोस से चावल और दुध माँग कर ले आई और खीर बना दी।



इतने में एक महाराज साहेब मासक्षमण के पारणे पर गोचरी व्होराने बालक के घर पधारें। तुरंत बालकने खीर की थाली में ऊँगली से रेखा बनाकर दो भाग कर खीर व्होराने लगा और उसने भाव से पुरी खीर व्होराई और फीर साधु भगवंत वहाँ से चले गए। बालक खीर की थाली को चाटने लगा और अंदर से खुश हो गया के मैंने कितना अच्छा कार्य किया। थोडी देर में माँ ने पूछा खीर कैसी थी? तब बालक ने कहा, "बहुत ही स्वादिष्ट ...!!"

इस बालक का नाम था संगम गोवाल और अगले भव में उसका धनवान शेठ के बेटे के रूप में जन्म हुआ। जिसका नाम था शालिभद्र। इतना धनवान होने के बावजुद शालिभद्र ने दीक्षा ली और फिर उन्हें मोक्ष की प्राप्ती हुई।

Once upon a time a small poor child lived in a village. Once, during a festival he wished to have kheer. He insisted his mother to make kheer for him. She did not have money to buy thr ingredients but somehow she managed to borrow them from neighbors and fulfilled her son's wish of having kheer.

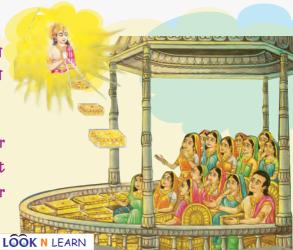
In the meantime, a saint entered his house for parna of Massakshman. Happily, the child drew a line with his finger in

the plate of kheer and poured the kheer with great bhaav and then the saint left. The child started licking the plate of kheer and was very happy for good work he had done. After sometime mother asked how was the kheer? Then the boy said, "Very tasty...!!"

This child's name was Sangam Goval and in the next life he was born as the son of a wealthy Sheth, Shalibhadra. Despite being so rich, Shalibhadra took Diksha and then attained salvation.

जब कोइ साधु भगवंत आपके घर पधारें तब आपको गोचरी व्होराने की भावना करनी चाहिए। सुपात्र दान की भावना से हमें देवगति या मोक्ष प्राप्त होता हैं

Dear children, when a sadhu Bhagwant visits your home, then you should offer your offerings with great bhaav. With the spirit of offering, we can attain Dev gati or salvation.

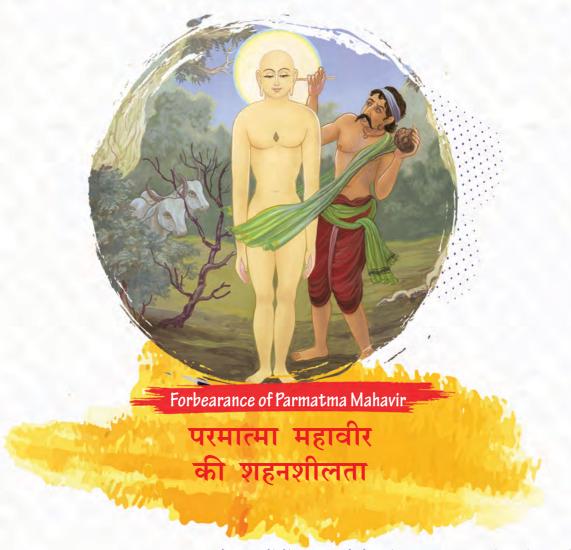


January 2023









एक बार परमात्मा महावीर स्वामी के कानों में एक ग्वाले ने कांस नामक घास की नुकीली कीले आरपार ठोक दी। इस असह्य वेदना देने वाले ग्वाले को परमात्मा ने क्षमा किया और इस वेदना का कारण अपने पिछले जन्म में किये हए कर्मों का फल समजा!

बच्चों तो क्या परमात्मा कमजोर थे? नहीं, जो माफी देता है, जो दूसरों को माफ कर देता है वही सबसे बडा शक्तिशाली होता हैं।

Once a shepherd had pierced Bhagwan Mahavir's ear with a sharp nail like tip of the kansa grass! Yet Bhagwan Mahavir forgave the shepherd. He knew that the reason for one's own sufferings is his own past karma.

Kids, So, was Parmatma weak? No, the one who forgives is the strongest of all.

I will learn to forgive and forget like my Parmatma







Compassionate Parmatma Mahavir

चण्डकौशिक ताम के दृष्टिविष सर्प ते भगवात को बारबार अपनी विषपूर्ण ज्वालाएँ डाली और भगवात के पैर के अँगुठे में डंस्व मारकर उनके सामने देखने लगा।

भगवात शांत रहे भगवात के दिल में करुणा थी और सर्प को हिंसा से मुक्त कराते के लिए उन्होंते कहा... "बुन्झ बुन्झ चण्डकौशिक!" चण्डकौशिक शांत हो गया और उसको अपते पूर्व जन्म का जाति समरण हो गया।

वह भगवात के चरणों में जा पड़ा। उसको बहुत ही पश्चाताप हुआ और उसने हिंसा का त्याग कर दिया। अन्त में अनशन उपवास की आराधना द्वारा मृत्यु पाकर सर्प वैमानिक देव योनि में उत्त्पन हुआ।

A sight-poisonous snake named Chandkaushik repeatedly threw its poisonous flames at

Parmatma and looked at Parmatma after stinging His big toe.

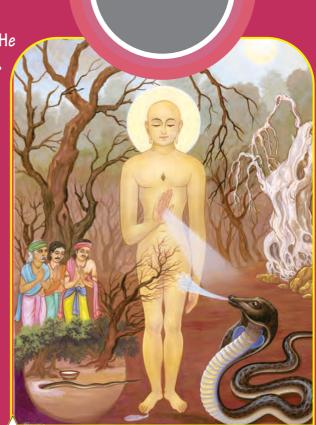
Parmatma with peace and compassion in his heart, wanted snake to be free from violence. He said...

"Bujjh bujjh Chandkaushik!" Chandkaushik became calm and he remembered his previous birth.

He fell to the feet of Parmatma. He repented and gave up violence. In the end, after getting death by fasting and worshiping, the snake was born in the form of Vaimanik Dev.

बच्चों ! हमें भी भगवात जैसा बतता है। हमें दूसरों की भलाई के लिए अपने दिल में करूणा रखनी चाहिए और सर्प के जैसे अपनी गलती पर पश्चाताप करना सिखना चाहिए।

Children! We also have to become like Parmatma. We should have compassion in our heart for the well being of other jivs and repent for our mistakes.



COMPASSION

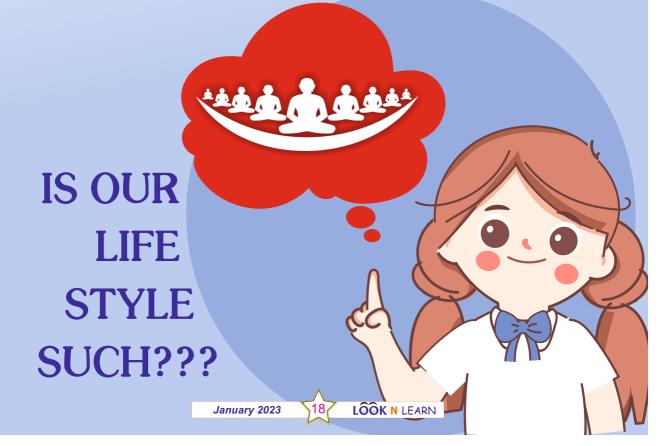




Think? Think? Think?

Can we surely say to Parmatma that...

"O Parmatma that day is not far when
I will recite with You in Your home
and I will be one with You"?

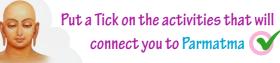


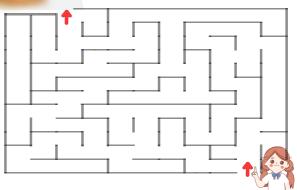










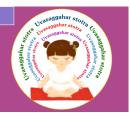


























Registered with Registrar of Newspapers under RNI No. MAH MUL/2011/40056
Vol.: 14, Issue: 01, Date: January 2023, Postal Registration No. MNE/171/2021-23.

Date of Posting / Date of Publication 10th of every month.

License to post without prepayment, WPP license No. MR/Tech/WPP-273/NE/2021-23.

Look N Learn - Posted at Mumbai patrika channel sorting office Mumbai -1



Often excited with offers? But be alert while encashing it...

Parmatma says...





परिग्रह महाभय का कारण है। श्री आचारांग सूत्र, अध्ययत ५- उद्देशक २, गाथा-३

Printed, Published and Owned by Ashok R. Sheth, Printed at : Accurate Graphics Pvt. Ltd., 15-A, Samrat Silk Mill Compound, L.B.S Marg, Vikhroli (W), Mumbai - 400 079.

Published from 5, Munisuvrat Ashish CHS. Ltd. 3rd flr, Kama Lane, opp SNDT College, Ghatkopar (W), Mumbai - 86. Editor : Ashok R. Sheth